कटनी, भोपाल, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक 278 ● कटनी ● गुरुवार , 12 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 2 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।



रसगुल्ला समझकर मुंह में रखा, चबाते ही फटा सुअरमार बम, युवक की मौत

परिचित पर मिठाई बताकर विस्फोटक खिलाने का आरोप, जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त; हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

डिंडौरी, यशभारत। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के पड़रिया छांटा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को उसके ही परिचित ने कथित तौर पर रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम दे दिया। युवक ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रखा और जैसे ही दांतों से दबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि युवक का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पड़रिया छांटा निवासी राजेंद्र बरौतिया (35) मंगलवार शाम करीब सात बजे परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर के आंगन में आग ताप रहा था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे गांव का ही रामभगत बरौतिया उसके पास पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रामभगत ने अपने पास रखा सुअरमार बम राजेंद्र को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने भी परिचित की बात पर भरोसा करते हुए उसे मिठाई समझकर मुंह में रख लिया। जैसे ही उसने दांतों से उसे दबाया, तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। अचानक हुए धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। विस्फोट में राजेंद्र का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के अनुसार, मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और विस्फोटक युवक को किस परिस्थिति में दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले





किश्तवाड़ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है। दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों को किश्तवाड़ से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे किश्तवाड़ कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और संभावित आतंकी संलिप्तता के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में भी सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। ऐसे में किश्तवाड़ में दो एसपीओ की हत्या ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या; 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि ISIS से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या एडीएफ है। यह संगठन लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है और आम नागरिकों को निशाना बनाता रहा है।

50 हजार की रिश्वत लेते डाक अधीक्षक गिरफ्तार, सहयोगी क्लर्क भी पकड़ा

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजीव शरण सुमन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी क्लर्क अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है। पटना से पहुंची सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम अपने साथ पटना ले गई। कार्रवाई की खबर फैलते ही डाक विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मलाही डाकघर में पदस्थ कर्मचारी राहुल झा ने डाक अधीक्षक के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद पटना से सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और मामले की जांच के बाद कार्रवाई की तैयारी की।

महाराष्ट्र तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य के तीन समुद्र तटों को पहली बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला है। इनमें रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले का श्रीवर्धन समुद्र तट शामिल हैं। वर्ष 2026-27 के लिए मिली इस मान्यता से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर महाराष्ट्र की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग जूरी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर इन समुद्र तटों का चयन किया है। इसके लिए समुद्र तटों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता का संरक्षण, पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और सतत पर्यटन प्रबंधन जैसे मानकों को आधार बनाया गया। इस उपलब्धि के पीछे राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और बीच मैनेजमेंट कमेटियों के संयुक्त प्रयास रहे हैं।

कुलगाम में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, जवानों की त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा नुकसान



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। अखरान इलाके में एसएसबी कैंप पर एके-47 से लैस दो आतंकियों ने हमला किया था। हमले में एसएसबी के तीन जवान घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। अब इस हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें सुरक्षाबलों की मुस्तैदी और आतंकियों के हमले के तुरंत बाद की गई जवाबी कार्रवाई साफ दिखाई दे रही है। जवानों की तेजी से की गई घेराबंदी के कारण आतंकी आगे नहीं बढ़ सके और उन्हें अपना मकसद पूरा किए बिना मौके से भागना पड़ा।सामने आए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देता है कि जैसे ही कैंप पर हमला होता है, सुरक्षाबल तत्काल सक्रिय हो जाते हैं। जवान पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए हमलावरों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। वहीं, हमले में घायल जवानों की मदद के लिए सुरक्षाकर्मी तेजी से घटनास्थल की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। कुछ ही सेकंड में की गई इस कार्रवाई ने आतंकियों की आगे बढ़ने की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के चलते हमलावरों को पीछे हटना पड़ा और संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया। जानकारी के मुताबिक, हमले से कुछ घंटे पहले ही सुरक्षाबलों को इलाके में संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। हालांकि, आतंकियों के निशाने पर कौन-सा ठिकाना है, इसकी सटीक जानकारी नहीं थी। जांच एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, हमला सुनियोजित था और इसका उद्देश्य सुरक्षाबलों को अधिकतम नुकसान पहुंचाना था। हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की भूमिका होने का संदेह जताया जा रहा है। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं और हमले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

शेयर बाजार में बुल्स की वापसी, लाल से हरे निशान में आए सेंसेक्स-निफ्टी, निवेशकों में दिखा उत्साह

मुंबई, यशभारत। भारतीय शेयर बाजार ने आज एक बार फिर अपनी जबरदस्त ताकत दिखाई है। दिन की शुरुआत में कमजोर संकेतों और बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान में फिसलता नजर आ रहा था, लेकिन सत्र आगे बढ़ते ही बुल्स ने जोरदार वापसी की। निवेशकों की सुस्ती जल्द ही उत्साह में बदल गई क्योंकि बाजार ने अपनी शुरुआती सारी गिरावट को पूरी तरह धो डाला और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में कारोबार करने लगे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 134.09 अंक यानी 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 82,013.49 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, निफ्टी ने भी रफ्तार पकड़ते हुए 34.35 अंक या 0.14 फीसदी की तेजी दर्ज की और यह 25,289.40 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार के एडवांस-डिक्लाइन रेशियो ने खरीदारों की मजबूत पकड़ को साबित किया। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, बाजार में 2,033 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 728 शेयरों में गिरावट रही और 163 शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट बने रहे।





नवंबर में ही कांपने लगा मध्यप्रदेश, सीजन में पहली बार 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

अगले चार दिन में एक से दो डिग्री तक और गिरेगा तापमान, उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

***भोपाल, एजेंसी।** मध्यप्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। शहडोल के कल्याणपुर में रात का पारा 9.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो फिलहाल प्रदेश में सबसे कम है। लगातार गिरते तापमान के कारण कई इलाकों में रात और सुबह ठंड का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आने का अनुमान जताया है। ऐसे में नवंबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।*

बीती रात शहडोल संभाग के इलाकों में ठंड का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री, अनूपपुर के अमरकंटक में 10.1 डिग्री और कटनी के करौंदी में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन तीनों स्थानों पर रात का तापमान 11 डिग्री से नीचे रहा। दमोह में भी पारा गिरकर 11.5 डिग्री पर पहुंच गया। प्रदेश में ठंड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के मुकाबले इंदौर में रात ज्यादा ठंडी रही। इंदौर में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में पारा 13.2 डिग्री रहा। इसके अलावा छिंदवाड़ा में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री, रायसेन में 12.8 डिग्री, जबलपुर और मंडला में 13.2 डिग्री, नौगांव में 13.4 डिग्री तथा रीवा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 14.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। शहडोल संभाग में रात का पारा सामान्य से करीब दो डिग्री कम, जबकि भोपाल संभाग में सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठंड

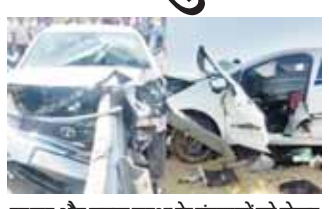
मध्यप्रदेश में तापमान गिरने के पीछे उत्तर भारत में सक्रिय मौसमी परिस्थितियों को भी अहम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार 13 नवंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में मौसमी गतिविधियां समाप्त होने के बाद वहां से आने वाली ठंडी उत्तरी हवाओं का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई देगा। इससे रात के तापमान में और गिरावट होने की संभावना है(मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक और नीचे जा सकता है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में रात के साथ सुबह की ठिठुरन भी बढ़ेगी। फिलहाल प्रदेश में सर्दी की शुरुआत ने ही लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर मजबूर कर दिया है।

मुरैना में तेज रफ्तार बस का कहर

मध्यप्रदेश में दो भीषण सड़क हादसे, दो मासूम भाई बहन सहित पिता-पुत्र की मौत, तीन गंभीर घायल

रतलाम में 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर रेलिंग चीरती हुई कार में घुसी

रतलाम, मुरैना ,यशभारत। मध्यप्रदेश में बुधवार को दो अलग-अलग जिलों में हुए भीषण सड़क हादसों ने चार परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। रतलाम में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ भीतर तक घुस गया। हादसे में 13 वर्षीय सागर और उसकी 6 वर्षीय बहन विधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मुरैना जिले में तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 35 वर्षीय पिता रघुराज कुशवाहा और उनके 14 वर्षीय बेटे लवकुश की मौत हो गई, जबकि बुजुर्ग दादी लोहरी बाई गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घटनाओं में तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। रतलाम जिले में पहला हादसा जावरा के बड़ावदा चौराहे के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात के हारोल में रहने वाला वर्मा परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का निवासी है। परिवार के मुखिया राजाबाबू वर्मा बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी कार से गांव जाने के लिए निकले थे। कार में उनकी पत्नी रिषु वर्मा (42), बेटा सागर और बेटी विधि सवार थे। बताया गया कि एक्सप्रेस-वे पर कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण बिगड़ने से कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ अंदर तक घुस गया। हादसे में दोनों बच्चों की जान चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जावरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद राजाबाबू और उनकी पत्नी को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रिषु की हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी घटना मुरैना जिले में नेशनल हाईवे स्थित कुल्हैली मोड़ पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे हुई। यहां सबलगढ़ से मुरैना की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार बामसोली क्षेत्र के नंदापुरा निवासी 60 वर्षीय लोहरी बाई कुशवाहा अपने 14 वर्षीय नाती लवकुश के साथ कुतघान गांव में गोवर्धन पूजा का निमंत्रण खाने गई थीं। वहां से उन्हें पंचमपुरा पहाड़गढ़ जाना था। इसी दौरान उनका 35 वर्षीय बेटा रघुराज कुशवाहा भी करजौनी में बाबू बाबा की जात करके बाइक से कुल्हैली मोड़ पहुंच गया। वह अपनी मां को दौज पर उनके मायके पंचमपुरा ले जाने की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि तीनों को प्यास लगी थी। इसी दौरान रघुराज का चचेरा भाई सत्यवीर कुशवाहा पानी लेने के लिए सड़क के दूसरी ओर चला गया। तभी बस क्रमांक एमपी 06 पी 5277 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े रघुराज, लोहरी बाई और लवकुश को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रघुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लवकुश और उसकी दादी को कैलारस अस्पताल ले जाया गया।





सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल



लुधियाना, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉनिंगः-ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।

सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी। सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।

सोना-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट, चांदी 2 हजार रुपये तक सस्ती; शादी वाले घरों को राहत

नई दिल्ली। यशभारत। दीपावली और भाईदूज के त्योहार के बाद सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार, 12 नवंबर को कीमती धातुओं के दाम नीचे आने से आम खरीदारों और शादी-विवाह की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। वायदा बाजार में चांदी की कीमत में करीब 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई, जबकि सोना भी सस्ता हुआ है। शादियों का सीजन शुरू होने से पहले कीमतों में आई इस नरमी से आभूषण खरीदने की योजना बना रहे लोगों को फायदा मिल सकता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 689 रुपये गिरकर 1,39,028 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत में 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 1,82,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। हाजिर बाजार में चांदी करीब 1,83,510 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती नजर आई।

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति में नहीं मांग सकता हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट बोला- पिता को मिला हिस्सा निजी संपत्ति, जन्म से नहीं बनता अधिकार



नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति में पोते के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दादा की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। बंटवारे में पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाएगा और वह अपने बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने चेन्नई की 1,811 वर्गफीट की संपत्ति से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। निर्णय 6 नवंबर को दिया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।

यह था पूरा मामला

चेन्नई में स्थित इस संपत्ति के मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की मृत्यु के बाद उनकी बेटी यानी पोते की बुआ ने 1993 में संपत्ति के बंटवारे का मुकदमा दायर किया। फरवरी 1994 में समझौते के जरिए संपत्ति का बंटवारा हुआ, जिसमें पोते के पिता को भी हिस्सा मिला। इसके बाद पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड के माध्यम से अपना हिस्सा बेच दिया।जनवरी 1994 में जन्मे पोते ने अपनी मां के जरिए 1997 में बंटवारे का मुकदमा दायर किया था। उसका दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में सहदायिक अधिकार प्राप्त है और पहले हुए बंटवारे में उसे शामिल नहीं किया गया। इसलिए उसे भी संपत्ति में आधा हिस्सा मिलना चाहिए।

1986 के फैसले का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने पोते की दलील खारिज करते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति उनके क्लास-1 कानूनी वारिसों को मिली थी। इनमें बेटा, बेटी, पत्नी और मां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। ऐसी संपत्ति बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बनती।

हड्डियों के कारोबार का भी आरोप, ग्राम सभा के प्रस्ताव पर भी उठे सवाल,

गौशाला में मृत गायों पर डाला गया एसिड?





रीठी (कटनी), यशभारत। जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत संचालित घनिया गौशाला एक बार फिर गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा में है। गौशाला में गोवंश की देखरेख, सरकारी अनुदान के उपयोग और मृत मवेशियों के निस्तारण की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए गए हैं। आरोप है कि शासन से प्रति गोवंश के मान से आर्थिक अनुदान मिलने के बावजूद गौशाला में चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है इससे गोवंश के असमय मौत होने की आशंका जताई गई है।

इस पूरे मामले को लेकर सत्य सनातन धर्म सभा के सचिव पंडित अखिलेश उपाध्याय ने जिला कलेक्टर कटनी को लिखित शिकायत सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में ग्राम सभा घनिया द्वारा पारित एक प्रस्ताव पर भी गंभीर आपत्ति जताई गई है। आरोप है कि सार्वजनिक स्थलों और गौशाला में मृत मवेशियों को उठाने तथा शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि ग्राम सभा किस नियम के तहत किसी व्यक्ति को ऐसा एकाधिकार दे सकती है? साथ ही पंचायत के पट्टे पर हड्डियां एकत्रित कर रखने की अनुमति देने के औचित्य पर भी सवाल खड़े किए हैं।इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीठी राजेश नरेंद्र सिंह से जानकारी मांगी गई तो उन्होंने मामले को दिखवाने और संबंधित नियमों की जांच कराने की बात कही। मामले का सबसे गंभीर पहलू गौशाला के समीप मृत गोवंश के शवों के निस्तारण को लेकर सामने आया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मृत गायों को जिस गड्ढे में डाला जा रहा है, उनके शवों पर एसिड (तेजाब) डाला गया है। उनका संदेह है कि इसके पीछे चमड़ा और मांस गलाने तथा हड्डियां आसानी से एकत्रित कर व्यावसायिक लाभ कमाने की मंशा हो सकती है।

पुष्टि होना बाकी

यदि यह आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो मामला केवल गौशाला प्रबंधन की लापरवाही तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पशु कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और संभावित अवैध व्यावसायिक गतिविधियों से भी जुड़ जाएगा। हालांकि एसिड डालने और हड्डियों के अवैध कारोबार के आरोपों की अभी स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।पंडित अखिलेश उपाध्याय ने कलेक्टर से गौशाला में मौजूद गोवंश का भौतिक सत्यापन और टैगिंग की जांच कराने, सरकारी अनुदान के उपयोग का वित्तीय ऑडिट कराने तथा ग्राम सभा के विवादित प्रस्ताव की वैधानिकता की जांच करने की मांग की है। इसके अलावा मृत गोवंश के निस्तारण, एसिड के कथित इस्तेमाल और हड्डियों के संग्रह की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार आपराधिक कार्रवाई की मांग की गई है।

अवैध कबाड़: 7 कारोबारियों को नोटिस

आगजनी के खतरे और सड़क पर अतिक्रमण को लेकर सख्ती, तय समय में कबाड़ नहीं हटाया तो होगी जब्ती



कटनी, यशभारत। शहर में जगह-जगह जमा हो रहा कबाड़ अब नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक आवागमन के लिए खतरा बनता जा रहा है। बिना सक्षम अनुमति कबाड़ सामग्री का भंडारण करने वाले सात कारोबारियों को नगर निगम ने नोटिस जारी कर तत्काल सामग्री हटाने के निर्देश दिए हैं। निगम ने चेतावनी दी है कि तय समयसीमा में निर्देशों का पालन नहीं होने पर कबाड़ जब्त करने सहित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि अनियंत्रित कबाड़ भंडारण से आसपास रहने वाले लोगों के लिए आगजनी जैसी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसके अलावा सार्वजनिक मार्गों पर आवागमन भी प्रभावित होता है। नोटिस पाने वालों में रघुनाथ गंज वार्ड के अजरुद्दीन पिता मोहम्मद सत्तार, ईश्वरीपुरा वार्ड के अफजल कुरैशी पिता गुलाम शरवर और मोहम्मद यूनूस पिता नसरुद्दीन शामिल हैं। वहीं बीडी अग्रवाल वार्ड के अब्दुल सत्तार पिता मोहम्मद हुसैन, मोहम्मद शमीम पिता मोहम्मद कलीमुद्दीन और मोहम्मद फिरोज पिता मोहम्मद शमसुद्दीन तथा मदन मोहन चौबे वार्ड के रिंकू खान पिता वसीद खान को भी नोटिस दिया गया है। निगम ने मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 322 सहित अन्य प्रावधानों के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, अब निगरानी इस बात की भी जरूरी है कि नोटिस जारी होने के बाद वास्तव में कबाड़ हटाया जाता है या कार्रवाई कागजों तक ही सीमित रहती है। शहर में ऐसे अन्य स्थानों पर भी जांच होनी चाहिए, जहां कबाड़ का भंडारण नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

छठ पूजा: घाटों पर तैयारी का महापौर ने लिया जायजा

बाबा, बजरंग और छपरवाह घाट का किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दो घाटों पर रेलिंग लगाने का प्रस्ताव बनाने को कहा



कटनी, यशभारत। छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नगर निगम ने घाटों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी है। बुधवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बाबा घाट, बजरंग घाट और छपरवाह घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़े इंतजामों की स्थिति देखी। महापौर ने घाटों की सीढ़ियों, नदी किनारे और पहुंच मार्गों पर विशेष सफाई कराने, गाद व कचरा हटाने तथा पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव, पेड़ों की झुकी टहनियों की छंटाई और चूने की लाइनिंग कराने को भी कहा।बजरंग घाट और छपरवाह घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाने की जरूरत बताते हुए महापौर ने संबंधित उपयंत्रियों को निर्माण प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, पार्षद संतोष शुक्ला, प्रभा गुप्ता, शकुंतला सोनी सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

गया-चेन्नई वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन 17 को होगी रवाना

कटनी, यशभारत। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्री दबाव को देखते हुए रेलवे ने गया से चेन्नई के बीच एक ट्रिप के लिए वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या *03689 गया-चेन्नई वन-वे पूजा स्पेशल 17 नवंबर 2026, मंगलवार को गया स्टेशन से रवाना होगी। इस विशेष ट्रेन के संचालन से बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह पूजा स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इसके मार्ग में प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, कटनी और जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं। इससे कटनी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी लंबी दूरी की यात्रा के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ट्रेन प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर सुबह 10:30 बजे पहुंचेगी और 10:35 बजे रवाना होगी। मानिकपुर में दोपहर 12:28 से 12:30 बजे, सतना में 13:30 से 13:35 बजे तथा कटनी में 14:45 से 14:50 बजे तक ठहराव रहेगा। इसके बाद जबलपुर में शाम 16:05 बजे आगमन और 16:15 बजे प्रस्थान होगा।

सड़क में दरार, निगम के इंजीनियरों की निगरानी पर भी सवाल

निर्माण के वक्त गुणवत्ता क्यों नहीं परखी गई?

पीडीएमसी के साथ जिम्मेदार इंजीनियरों पर भी कार्रवाई की उठी मांग, जनता के पैसे की बर्बादी का जवाब कौन देगा?



कटनी, यशभारत। शहर में सड़क निर्माण और मरम्मत के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन निर्माण पूरा होने के कुछ ही समय बाद सड़क की परत में दरारें सामने आने लगें तो गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कलेक्ट्रेट मार्ग पर सीवर लाइन विस्तार के बाद बिछाई गई सीमेंट-कंक्रीट की परत में डामरीकरण से पहले ही दरारें दिखाई देने लगी हैं। यह स्थिति केवल निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि उस पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करती है, जिसकी जिम्मेदारी काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा था, तब नगर निगम के इंजीनियर क्या कर रहे थे? क्या निर्माण के दौरान मौके पर जाकर गुणवत्ता की जांच की गई? सामग्री की गुणवत्ता, कंक्रीट की मोटाई, निर्धारित तकनीकी मानकों और निर्माण प्रक्रिया का परीक्षण किया गया या फिर काम केवल ठेकेदार और एजेंसी के भरोसे छोड़ दिया गया? यदि निगम के जिम्मेदार इंजीनियर और निगरानी एजेंसी मौके पर मौजूद थे, तो निर्माण के दौरान खामियां क्यों नहीं पकड़ी गई? और यदि निरीक्षण किया गया था, तो फिर कुछ समय बाद ही दरारें सामने आने की नौबत कैसे आ गई?निगमायुक्त तपस्या परिहार ने मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पीडीएमसी को नोटिस जारी किया है। निर्माण एजेंसी के साथ मौके का निरीक्षण कर दरारों और शिकायतों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि संतोषजनक निराकरण होने तक संबंधित भुगतान रोककर रखा जाए। यह कदम जरूरी है, लेकिन कार्रवाई केवल पीडीएमसी को नोटिस देने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

जवाबदेही सिर्फ एजेंसी की क्यों?

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना केवल ठेकेदार या पर्यवेक्षण एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है। नगर निगम के संबंधित इंजीनियरों की भी यह जवाबदेही है कि काम निर्धारित मापदंडों के अनुसार हो। निर्माण के दौरान निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और खामियों पर तत्काल रोक लगाने की जिम्मेदारी उन्हीं की होती है। ऐसे में इस मामले में यह भी जांच होनी चाहिए कि किस इंजीनियर को निर्माण की निगरानी सौंपी गई थी, उसने कितनी बार स्थल निरीक्षण किया, गुणवत्ता परीक्षण की रिपोर्ट क्या है और काम को संतोषजनक बताकर आगे बढ़ाने में किसकी भूमिका रही।

जिन विभागों की भूमिका जांच के दायरे में, उन्हीं के अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

अग्निकांड की जांच समिति पर उठे सवाल



कटनी, यशभारत। बरही में आवासीय भवन एवं उसमें संचालित क्रॉकरी दुकान में हुए अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी द्वारा चार सदस्यीय जांच समिति गठित कर 30 दिनों में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश देना प्रशासनिक स्तर पर सराहनीय पहल है। लेकिन समिति के गठन के साथ ही उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े होने लगे हैं।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन विभागों की संभावित लापरवाही, कार्य प्रणाली और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी जांच के दायरे में आ सकती है, उन्हीं विभागों के अधिकारियों को जांच समिति में शामिल करने से निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित होगी? यह स्थिति कहीं ऐसी तो नहीं कि जिसकी भूमिका की पड़ताल होनी है, वही अपनी भूमिका की समीक्षा भी करे। समिति में अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र को अध्यक्ष तथा एस डी ओ पी विजयराघवगढ़ विजय धुर्वे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनीष परते और विद्युत सुरक्षा विभाग के सहायक यंत्री ज्योति यादव को सदस्य बनाया गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि जांच केवल औपचारिक विभागीय प्रक्रिया बनकर न रह जाए, बल्कि प्रत्येक संभावित जिम्मेदार पक्ष की भूमिका की स्वतंत्र एवं तथ्यात्मक पड़ताल हो।आखिर आग लगने से पहले संबंधित विभागों ने अपने दायित्वों का कितना निर्वहन किया? सुरक्षा मानकों का पालन कराया गया था या नहीं? पूर्व में कोई निरीक्षण अथवा चेतावनी जारी हुई थी? घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन हुआ या नहीं? इन सभी सवालों का जवाब दस्तावेजी साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच से सामने आना चाहिए।सवाल किसी अधिकारी विशेष पर आरोप लगाने का नहीं, बल्कि जांच की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कायम रखने का है। यदि जांच समिति में शामिल किसी विभाग की अपनी कार्य प्रणाली भी जांच के दायरे में आती है।

भगवान चित्रगुप्त की आराधना में जुटे कायस्थ

प्राचीन चित्रगुप्त मंदिर में सामूहिक पूजन, हवन और महाआरती





कटनी,यशभारत। स्थानीय जगन्नाथ चौक स्थित अति प्राचीन श्रीराम मंदिर परिसर के श्री चित्रगुप्त मंदिर में कायस्थ समाज के लोगों ने एकजुट होकर भगवान श्री चित्रगुप्त की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। धार्मिक वातावरण के बीच समाजजनों ने सामूहिक पूजन-अर्चन किया और हवन में आहुतियां अर्पित कर परिवार, समाज एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजन के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन संपन्न हुआ। इसके बाद भगवान श्री चित्रगुप्त की महाआरती की गई। इस अवसर पर कायस्थ सभा की ओर से उपस्थित सभी कायस्थजनों को लेखनी प्रसाद भेंट किया गया। भगवान चित्रगुप्त को लेखनी और ज्ञान का आराध्य मानते हुए इस प्रसाद का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व रहा। धार्मिक आयोजन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण किया और सेवा भाव से आयोजन को सफल बनाया। सामूहिक पूजन, लेखनी प्रसाद वितरण और भंडारे के माध्यम से कायस्थ समाज ने अपनी धार्मिक परंपराओं, सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का परिचय दिया। मंदिर परिसर पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मंदिर प्रांगण में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।
मुख्य अतिथि पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा अध्यक्ष अनादि निगम ने की। विशिष्ट अतिथि अनिल खरे एवं राकेश श्रीवास्तव तथा विशेष अतिथि रविंद्र बक्शी उपस्थित रहे। सम्मानित होने वाले मेधावी विद्यार्थियों में तान्या श्रीवास्तव, अयांश श्रीवास्तव, रिद्धिमा निगम, मान्या खरे, शिवांक श्रीवास्तव, अदिति श्रीवास्तव, शिवांशु श्रीवास्तव, आन्या सक्सेना, हर्ष गुमास्ता, पलक गुमास्ता, सिद्धि श्रीवास्तव, सृष्टि सिन्हा, पूजा श्रीवास्तव, अंशिका सिंह, आदित्य श्रीवास्तव एवं आदित्य राज निगम शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन राजेश श्रीवास्तव प्रखर ने किया।

43 हजार ग्रामीणों को मिला आबादी भूमि का मालिकाना हक

नौ तहसीलों में नि:शुल्क रजिस्ट्री, संपत्ति के दस्तावेज से बैंक ऋण लेने का रास्ता भी होगा आसान

कटनी, यशभारत। स्वामित्व योजना के तहत जिले के 43 हजार 173 ग्रामीणों को आबादी भूमि का मालिकाना हक मिल चुका है। नौ तहसीलों में विशेष अभियान चलाकर नि:शुल्क रजिस्ट्री की जा रही है। अब तक कटनी तहसील में 4084, कटनी शहरी में 3074, ढीमरखेड़ा में 6617, बड़वारा में 4511, बरही में 2791, बहोरीबंद में 6424, रीठी में 4969, विजयराघवगढ़ में 6825 और स्लीमनाबाद में 3878 रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने एसडीएम को शेष पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री जल्द पूरी कराने के निर्देश दिए हैं। योजना से ग्रामीणों को संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मिलेंगे, जिनके आधार पर बैंक से ऋण लेने और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। पूरी प्रक्रिया शासन द्वारा नि:शुल्क की जा रही है।





एक दर्जन जुआ फड़ों पर पुलिस की दबिश

39 जुआरी गिरफ्तार, 56 हजार 750 रूपए बरामद

कटनी, यशभारत। माधवनगर एवं बड़वारा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर चल रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर तीन दर्जन से अधिक जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 56 हजार 750 रूपए जब्त किए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बड़वारा थाना प्रभारी सुयश पांडे ने बताया कि पुलिस को ग्राम मझगवां, बड़वारा एवं भजिया में जुआ खेले जाने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस ने तीनों स्थानों पर दबिश देकर रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान 19 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़कर 30 हजार 920 रूपए नगद बरामद किए गए। पहली कार्रवाई मझगवां में की गई, जहां बगीचे में आम के पेड़ के नीचे मिथुन विश्वकर्मा, राकेश कुशवाहा एवं प्रकाश कुशवाहा को हिरासत में लेकर 3820 जब्त किए गए। इसी तरह धीरज बर्मन, नागेन्द्र कोरी, राहुल बर्मन, सुखचरण दाहिया, सुधीर कुमार महोबिया, संदीप कुमार बर्मन को गिरफ्तार कर उनके



कब्जे से 14 हजार 300 रूपए नगद बरामद किए गए। जयलाल यादव, अनुज नामदेव, रामसेवक गड़ारी, प्रदीप कुमार पटेल, रूपलाल चौधरी, अरुण कुमार यादव, रोहित काछी, सुकेश कुशवाहा, तीरथ गुप्ता एवं रामप्रसाद उर्फ यादव जुआ खेलते हुए मिले। आरोपियों के कब्जे से 12 हजार 800 नगद बरामद कर मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, एसआई विष्णुशंकर जायसवाल, एएसआई महेश प्रताप सिंह, नितेश डोंगरे, पवनराज, अरुण तिवारी, गौरीशंकर राजपूत, बृजलाल प्रजापति एवं शिवप्रकाश तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

माधवनगर पुलिस ने तीन फड़ों पर की कार्रवाई

माधवनगर पुलिस ने ग्राम छहरी में तीन अलग-अलग फड़ों पर दबिश दी। जहां से अमरलाल पटेल, अनिल पटेल, मनोज पटेल, प्रमोद बर्मन, मनीष मेहरा निवासी शिवराजपुर संजयनगर को गिरफ्तार कर 7800 रुपये नगद बरामद किए गए। इसी तरह दूसरे मामले में अजय प्रताप सिंह परिहार, संदीप यादव, महेन्द्र सिंह परिहार, विवेक उरमलिया, विनोद सिंह, दीपक उरमलिया निवासी छहरी खजरी को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 6580 रुपये जब्त किए गए। तीसरी कार्रवाई में सुरेन्द्र कुमार पटेल, प्रदीप तिवारी, सुरेन्द्र यादव, सुधांशु प्यासी निवासी बड़खेड़ा को गिरफ्तार कर 8450 रुपये जब्त किए गए है। एक अन्य कार्रवाई मं मनीष कोल, शनि भूमिया, मोनू ठाकुर, संदीप श्रीवास्तव, आकाश यादव निवासी लालपहाड़ी लखेरा को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर 3000 रुपये जब्त किए गए।

दो घंटे जाम में जूझता रहा शहर

चांडक चौक में फंसे रहे हजारों वाहन

मिशन चौक और नदीपार तक लगीं रहीं कतारें





कटनी, यशभारत। गुरूवार की शाम शहर जाम से जूझता रहा। दोपहर से लेकर शाम और रात तक हजारों लोग जाम से जूझते रहे। स्थिति यह रही कि चांडक चौक में जाम लगने की वजह से हजारों की तादात में वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जाम लगने के बाद यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाला। इस दौरान दुपहिया वाहन चालकों द्वारा गलत दिशा से आने की वजह से पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जाम लगने का मुख्य कारण चाण्डक चौक में स्टापर लगाया जाना बताया जा रहा है। बताया जाता है कि चांडक चौक में अव्यवस्थित स्टापर लगाये जाने से जाम की स्थिति निर्मित हुई। दोपहर में भी भीषण जाम लगा रहा। मिशन चौक तक वाहनों की कतार लग गई। उधर बस स्टैण्ड तक ब्रिज के ऊपर एवं चांडक चौक ढलान कैलवारा पुल में जालपा मढ़िया तक वाहन फंसे रहे। चाण्डक चौक में यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह और मिशन चौक में कोतवाली टीआई राखी पांडे ने स्टाफ के साथ काफी मशक्कत करते हुए जाम खुलवाया, तब कहीं जाकर यातायात सुचारू हो पाया।

नशे में वाहन चलाते मिले बाइक चालक

बड़वारा पुलिस ने की पर कार्रवाई

कटनी, यशभारत। जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बड़वारा पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए 4 मोटरसाइकिल चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध वाहन चालकों को रोककर ब्रीथ एनालाइजर मशीन से जांच की गईए जिसमें उनके द्वारा शराब का सेवन कर वाहन चलाना पाया गया। पुलिस द्वारा चारों चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उनकी मोटरसाइकिलें जब्त कर थाना परिसर में खड़ी कराई गईं। प्रकरणों के



निराकरण हेतु इस्तगासा माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। पुलिस ने जिन पर कार्रवाई की है, उसमे सोहन उर्फ बंटी गुप्ता निवासी माईनदी चंददेव मंदिर, शनि सिंह निवासी बड़ागांव, रामरतन पाल निवासी बड़ागांव एवं नरेन्द्र सोनी निवासी माल्हन शामिल है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, उप निरीक्षक व्ही एस जायसवाल, रघुवीर सिंह, महेश प्रताप सिंह, रामनाथ साकेत, नीलेश दुबे, दानबहादुर सिंह परस्ते, नितेश डोंगरे, वीरेन्द्र चढ़ार, बृजलाल प्रजापति, गौरीशंकर राजपूत, शिवप्रकाश तिवारी एवं आशीष तिवारी की विशेष भूमिका रही।

भूत बंगला के पास गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रंगनाथनगर पुलिस ने की कार्रवाई, 1 किलो 552 ग्राम गांजा बरामद

कटनी, यशभारत। रंगनाथनगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 किलो 552 ग्राम अवैध गांजा के साथ 18 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। रंगनाथनगर थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि थाना क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार भ्रमण, निगरानी एवं संदिग्ध व्यक्ति यों की चेकिंग की जा रही है। इसी तरह पुलिस को भूत बंगला रेलवे लाइन के पास एक व्यक्ति हरे रंग की पन्नी लेकर संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी विशेष



वंशकार निवासी गड्ढा टोला बरडोली कॉलेज के पास से पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से 1 किलो 552 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 19 हजार 500 रूपए है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।कार्रवाई में थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय, एएसआई बहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक पवन पाठक, अजय तिवारी, प्रमोद सिंह, महेन्द्र दुबे, लालजी यादव, असंत सिंह, आरक्षक वीरेन्द्र दहायत एवं संजय पाण्डेय की सराहनीय भूमिका रही।**खेत में लहलहा रही थी गांजे की फसल** -इसी तरह बरही पुलिस ने नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए खेत में लगे 4 गांजे के हरे पौधे बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक खितौली पुलिस द्वारा ग्राम कुआं की तरफ गश्त की जा रही थी। इसी दौरान खेत के पास एक आदमी बाड़ी के अंदर से पुलिस को देखकर हड़बड़ाकर बाड़ी से भागने लगा, जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी अरविन्द यादव निवासी ग्राम कुठिया महगवां को हिरासत में लेकर खेत में बनी मड़ैया के पीछे से 1 किलो 400 ग्राम मादक पदार्थ गांजा के पौधे बरामद किए गए।





















चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क
आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु
उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन
साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।

फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

भाजपा को चुनौती देने के लिए नई पीढ़ी पर दांव, बोले- पटवारी और सिंघार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा अगला विधानसभा चुनाव

2028 की सियासी पिच पर पटवारी-सिंघार की जोड़ी! दिग्विजय सिंह ने खोले कांग्रेस के भविष्य के पत्ते

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 की सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। कांग्रेस ने भी आगामी चुनाव को लेकर अपनी रणनीति के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में लड़ेगी। इस बयान को प्रदेश कांग्रेस में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।



गुटबाजी से इनकार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत

दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन यात्रा पर हैं। इसी दौरान उनके राजनीतिक बयानों ने कांग्रेस की भावी रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। उन्होंने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी होने से इनकार करते हुए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की जोड़ी पर भरोसा जताया है। उनके इस बयान को राहुल गांधी से हालिया मुलाकातों के बाद कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बन रही नई सहमति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने भी दोनों नेताओं की सक्रियता का समर्थन किया है। उनका कहना है कि जीतू पटवारी और उमंग सिंघार अपने-अपने स्तर पर प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पार्टी उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।

भाजपा ने कसा तंज, कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर उठाए सवाल- दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया देने में देर नहीं की। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए तंज कसा। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर उनके परिवार और बेटे के राजनीतिक भविष्य पर भी कटाक्ष किया। दरअसल कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और भाजपा के मजबूत चुनावी ढांचे का मुकाबला करने की है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुरेश पचौरी जैसे नेताओं के पार्टी से अलग होने तथा कमलनाथ की सक्रियता सीमित होने के बीच नई पीढ़ी को आगे करना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सवाल सिर्फ चेहरे का नहीं, जीत की रणनीति का भी

दिग्विजय सिंह के बयान से यह साफ संकेत मिला है कि कांग्रेस 2028 के चुनाव में युवा नेतृत्व को आगे रखकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। हालांकि, चुनावी नेतृत्व की तस्वीर और अंतिम रणनीति पर पार्टी का आधिकारिक फैसला अभी महत्वपूर्ण रहेगा।

2018 की जीत से 2023 की हार तक, कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के लिए 2028 का चुनाव आसान नहीं रहने वाला है। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 114 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन मार्च 2020 में राजनीतिक घटनाक्रम के बाद उसे सत्ता गंवानी पड़ी। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की। अब जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के सामने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और जनता के बीच कांग्रेस का भरोसा दोबारा कायम करने की चुनौती होगी।

बड़ा सवाल यही है कि क्या पटवारी-सिंघार की जोड़ी कांग्रेस को सत्ता के करीब पहुंचा पाएगी या भाजपा के मजबूत संगठन के सामने उसे एक बार फिर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल, दिग्विजय सिंह के बयान ने 2028 की चुनावी राजनीति का माहौल समय से पहले गर्म कर दिया है।



संभावित रेल हादसे टालने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मी सम्मानित

बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर संजीव मीणा को मिला संरक्षा पुरस्कार

भोपाल,यश भारत। रेल परिचालन के दौरान सतर्कता और सूझबूझ दिखाकर संभावित हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर (गुड्स) संजीव कुमार मीणा को यह सम्मान प्रदान किया। दोनों कर्मचारियों ने अक्टूबर माह में ड्यूटी के दौरान तकनीकी खामियों और संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई की। इससे संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न मंडलों के कुल छह कर्मचारियों को उत्कृष्ट संरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों की सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित रेल संचालन में समय पर खतरे की पहचान और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

छठ महापर्व को लेकर घाटों की सजावट और मरम्मत शुरू

कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ साफ-सफाई पर जोर

भोपाल, यश भारत।

छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों और कुंडों को व्यवस्थित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत घाटों पर रंगाई-पुताई साफ-सफाई और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का काम कराया जा रहा है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम का अमला पर्व से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटा है। घाटों और छठ कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ आवश्यक सिविल कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही साफ सफाई और मरम्मत कार्य भी लगातार किए जा रहे हैं। निगम का उद्देश्य छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि व्रती और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। निगम अधिकारियों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



बकाया कर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियां कुर्क

अरेरा कॉलोनी और जिंसी में निगम की कार्रवाई, एक भवन सील तो दूसरे पर की कुर्की

भोपाल, यश भारत। नगर निगम ने संपत्तिकर और अन्य करों की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दो बकायादारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर जोन क्रमांक 10 के अमले ने यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई वार्ड क्रमांक 42 के जिंसी क्षेत्र में भवन ऑफिस क्रमांक 17ए पर की गई। भवन स्वामी गोविंदराम ज्ञानचंदानी पर संपत्तिकर सहित अन्य करों के 10 लाख 58 हजार 588 रुपये बकाया थे। राशि जमा नहीं करने पर निगम ने भवन को सील कर दिया। वहीं वार्ड क्रमांक 45 की अरेरा कॉलोनी ई-1 स्थित भवन क्रमांक 203 के मालिक प्रमोद तामोट पर 94 हजार 734 रुपये बकाया होने के चलते संपत्ति कुर्क की गई। निगम के अनुसार दोनों बकायादारों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे लेकिन भुगतान नहीं होने पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई जोनल अधिकारी शैलेष चौहान सहित निगम अमले ने की।



फार्माकोलॉजी विभाग ने जीते तीन पुरस्कार, डॉ. चिराग अग्रवाल को दोहरी सफलता

एपीपीएससीओएन-2026 में एम्स भोपाल का शानदार प्रदर्शन

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के 8वें एपीपीएससीओएन 2026 सम्मेलन में तीन पुरस्कार हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। एम्स मंगलगिरी में आयोजित आंध्र प्रदेश फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के सम्मेलन में विभाग के रेजिडेंट और फैकल्टी सदस्यों ने शोध प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर रेजिडेंट डॉ. चिराग अग्रवाल ने मौलिक शोध की मौखिक प्रस्तुति में प्रथम और मोटापे के औषधीय प्रबंधन पर समीक्षा पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. अजय शुक्ला को मोटापे के उपचार में जीआईपी और जीएलपी 1 आधारित दवाओं की प्रभावशीलता पर समीक्षा के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। इसके अलावा डॉ. अहमद नजमी ने कृत्रिम हृदय वाल्व वाले मरीजों में दवा की खुराक और आनुवंशिक भिन्नताओं पर शोध प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. बालकृष्णन एस ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।





एम्स भोपाल में अंगदान से पांच लोगों को मिलेगी नई जिंदगी

भोपाल,यश भारत। अपनों को खोने के गहरे दुख के बीच स्वर्गीय सुमित सोनी के परिजनों ने अंगदान का साहसिक निर्णय लेकर मानवता की मिसाल पेश की। उनके इस निःस्वार्थ फैसले से पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन और आंखों की रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने एक किडनी का सफल प्रत्यारोपण संस्थान में भर्ती मरीज में किया। वहीं दूसरी किडनी और लिवर को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से प्रत्यारोपण के लिए बंसल अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा दोनों कॉर्निया एम्स के आई बैंक में सुरक्षित रखे गए हैं, जिनसे जरूरतमंद मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाई जा सकेगी। इस पूरी प्रक्रिया में चिकित्सकों, ट्रांसप्लांट को ऑर्डिनेटर्स अस्पताल प्रशासन और यातायात पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वर्गीय सुमित सोनी को मध्यप्रदेश पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी। परिजनों के इस निर्णय की व्यापक सराहना की जा रही है।

सरयू सरोवर पार्क में छठ पूजा के लिए बने दो सर्वसुविधायुक्त कुंड, पांच हजार श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा



भोपाल,यश भारत।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क में दो सर्वसुविधायुक्त छठ कुंड विकसित किए गए हैं। पहले यहां केवल एक कुंड की व्यवस्था थी जिसे बढ़ाकर अब दो कर दिया गया है। साथ ही पूरे पार्क को भी आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर छठ पूजा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत शहर के पुराने एवं परंपरागत छठ कुंडों और घाटों की रंगाई पुताई क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत तथा आवश्यक सिविल कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 68 के सरयू सरोवर पार्क में विकसित किए गए इन नए कुंडों से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना में सुविधा मिलेगी। निगम के अनुसार यहां पांच हजार से अधिक श्रद्धालु सुगमता से छठ पूजा के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में चमके मप्र के खिलाड़ी

गर्गी सिंह ने दो और अमेय कटारे ने जीता एक कांस्य पदक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान

भोपाल,यश भारत। स्कॉटलैंड में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक हासिल किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कराटे अकादमी भोपाल की खिलाड़ी गर्गी सिंह परिहार ने दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं अमेय कटारे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस सफलता में कोच दीपक सिंह और कुलदीप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कराटे अकादमी परिवार ने उन्हें बधाई दी। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग और प्रोत्साहन के प्रति आभार जताया। खिलाड़ियों की सफलता को प्रदेश की खेल प्रतिभा के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।



सीमांकन के लिए 15 दिन का विशेष अभियान, शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश

भोपाल , यश भारत।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल संभाग के सभी जिलों में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नामांतरण और बंटवारे के 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। भोपाल जिले में नामांतरण के 14 हजार 661 लंबित मामलों पर उन्होंने नाराजगी जताई। बुधवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने समय-सीमा से बाहर प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। हुजूर तहसील के अपर तहसीलदार न्यायालय में पेशी से हटे 1958 लंबित प्रकरणों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का नियमानुसार वेतन काटने को कहा। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया भी समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



आज से लागू होंगी नई दरें, ताजा दूध भी 2 प्रति लीटर महंगा; रसोई का बजट होगा प्रभावित

महंगाई का झटका: अमूल दूध हुआ महंगा, गोल्ड के दाम में ?4 की बढ़ोतरी

भोपाल यश भारत।

देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच आम उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। मदर डेयरी के बाद अब प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 12 नवंबर 2026 से लागू कर दी गई हैं। कंपनी की नई दरों के अनुसार अमूल गोल्ड की कीमत में ?4 प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद इसकी कीमत ?70 से बढ़कर ?74 प्रति लीटर हो गई है। वहीं अमूल ताजा दूध भी ?2 प्रति लीटर महंगा हो गया है। कंपनी के मुताबिक हरा और सूखा चारा पशु आहार पैकेजिंग तथा माल ढुलाई की लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस वृद्धि को करीब 4 से 5 प्रतिशत बताया गया है। दूध की कीमतों में इजाफे से आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होना तय है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे उपभोक्ताओं पर अब अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।



दिवाली पर पटाखों से चौटिल हुए 10 मरीजों का सेवासदन में हुआ इलाज

हिरदाराम नगर.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में दीपावली के दौरान आतिशबाजी से घायल हुए 10 मरीजों का इलाज कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई गई। 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि पटाखों की वजह से चोटिल हुए इन मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा देने के लिए अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की 24 घंटे की आकस्मिक नेत्र चिकित्सा सेवा तैनात की गई थी। त्वरित और सफल उपचार पाने वाले मरीजों में सीहोर के 26 वर्षीय उमेश तथा बैतूल की 17 वर्षीय राधिका की दाहिनी आंख की आपात सर्जरी कर दृष्टि सुरक्षित की गई। इसके अलावा भोपाल के ज्ञानेंद्र (27 वर्ष), प्रीति (40 वर्ष), सुभाष (21 वर्ष) व पाखी (16 वर्ष), शाजापुर के श्यामाप्रसाद (65 वर्ष) व पलाश (36 वर्ष), सीहोर के पाल जी (31 वर्ष), राजगढ़ के घनश्याम (22 वर्ष), रायसेन की मुस्कान (20 वर्ष) और देवास के नन्हेलाल (56 वर्ष) का भी त्वरित इलाज कर आंखों का बचाव किया गया। दीपावली पर अस्पताल की इस विशेष 24 घंटे तत्पर व्यवस्था से सभी घायलों की आंखों की रोशनी बचाना संभव हो सका।



पुत्र की फर्म को 16.20 लाख का भुगतान पड़ा भारी

पनसोखर पंचायत के सरपंच अरविंद साहू छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित

दो सचिवों की वेतनवृद्धि भी रोकी गई

कटनी, यशभारत। पंचायत के निर्माण कार्यों में वित्तीय अनियमितताओं और अपने पुत्र के नाम संचालित फर्म को आर्थिक लाभ पहुंचाने के मामले में जिला पंचायत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बड़वारा विकासखंड की ग्राम पंचायत पनसोखर के सरपंच अरविंद साहू को पद से पृथक करते हुए छह वर्ष के लिए पंचायत चुनाव लड़ने से निर्हित घोषित किया गया है। जिला पंचायत सीईओ हर सिमरनप्रीत कौर ने मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 एवं 40 के तहत यह कार्रवाई की है।



प्रकरण के अनुसार सरपंच द्वारा अपने पुत्र अतुल साहू के नाम से संचालित सिद्ध ट्रेडर्स को 72 हजार 860 रुपये और 15 लाख 47 हजार 780 रुपये, इस प्रकार कुल 16 लाख 20 हजार 640 रुपये का आर्थिक लाभ पहुंचाने का मामला जांच में सामने आया। इसके अलावा पंचायत के विभिन्न निर्माण कार्यों में वित्तीय अनियमितताएं भी प्रमाणित पाई गईं।

शिकायत के बाद जांच, सरपंच का पक्ष भी सुना

ग्राम पंचायत पनसोखर निवासी गणेश साहू ने इस संबंध में शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर जांच कराई गई। जनपद पंचायत बड़वारा के सीईओ से प्राप्त प्रतिवेदन का परीक्षण किया गया। प्रशासन ने सरपंच और सचिव का पक्ष सुनने के साथ उन्हें अपना बचाव प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया। उपलब्ध दस्तावेजों और जांच निष्कर्षों के आधार पर सरपंच को पद से पृथक करने का निर्णय लिया गया।

दो सचिवों की वेतनवृद्धि रोकी

इस मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव रीना साहू और वर्तमान सचिव उत्तम सिंह पर भी कार्रवाई की गई है। दोनों की एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके अलावा मंगल भवन निर्माण की बकाया 60 हजार रुपये की राशि सामग्री प्रदाता को नियमानुसार भुगतान कराने के लिए जनपद पंचायत बड़वारा की सीईओ को निर्देशित किया गया है। इस कार्रवाई से पंचायतों में निर्माण कार्यों और शासकीय राशि के उपयोग को लेकर प्रशासनिक जवाबदेही का संदेश गया है। जिला पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पंचायत निधि में अनियमितता और पद के दुरुपयोग के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



खमतरा में शुरू हुआ साप्ताहिक बाजार

ग्रामीणों को अब गांव में ही मिलेगी खरीदारी की सुविधा

शाहनगर, यशभारत। विकासखंड की ग्राम पंचायत खमतरा में बुधवार को पहली बार साप्ताहिक बाजार की शुरुआत हुई। गुरैया बाबा प्रांगण में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में ग्रामीणों और व्यापारियों में उत्साह नजर आया। बाजार शुरू होने से खमतरा सहित आसपास के गांवों के लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष एवं सरपंच प्रतिनिधि ध्रुव सिंह ने गुरैया बाबा के स्थान पर पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद बाजार लगाने पहुंचे व्यापारियों का ग्रामीणों ने तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। बाजार में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगने से प्रांगण में चहल-पहल रही। अब ग्रामीणों को छोटी-बड़ी जरूरतों की खरीदारी के लिए दूर-दराज के बाजारों तक नहीं जाना पड़ेगा। वहीं स्थानीय और बाहरी व्यापारियों को भी कारोबार के लिए नया अवसर मिलेगा। ग्रामीणों का मानना है कि साप्ताहिक बाजार नियमित रूप से संचालित होने पर गांव में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अब बाजार की निरंतरता बनाए रखने की जिम्मेदारी पंचायत और स्थानीय व्यवस्था पर रहेगी।

चेतनोदय तीर्थक्षेत्र में स्वछता अभियान

उत्साह के साथ शामिल हुए लोग



कटनी, यशभारत। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं मुनि श्री 108 पुंगव सुधासागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से निर्मित चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में आज 8 नवंबर, रविवार को प्रातः 8 बजे सामूहिक स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान हर्ष, उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता, सुंदरता एवं संरक्षण के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। इस अभियान के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग एवं एकता की भावना का संदेश दिया गया। सभी समाजजनों ने संकल्प लिया कि तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता एवं सुरक्षा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही इस पावन स्थल की गरिमा एवं सुंदरता को बनाए रखा जा सकता। चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में अब प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं अन्य रचनात्मक सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

छठ पूजा पर घाटों की व्यवस्था संभालेगा नगर निगम

14 से 17 नवंबर तक कटायेघाट सहित प्रमुख पूजन स्थलों पर रहेगी विशेष व्यवस्था

कटनी, यशभारत। छठ पूजा पर्व को लेकर नगर निगम प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए निगमायुक्त तपस्या परिहार ने आदेश जारी कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं। 14 से 17 नवंबर तक शहर के प्रमुख घाटों और पूजन स्थलों पर विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके तहत कटायेघाट, बाबाघाट, छपरवाह घाट-मंगलनगर और बजरंग कॉलोनी घाट-एनकेजे में नगर निगम की टीम व्यवस्थाएं संभालेगी। संपूर्ण तैयारियों के समन्वय और निगरानी की जिम्मेदारी निगम उपायुक्त प्रियंका झारिया को दी गई है। छठ पर्व के दौरान घाटों और पहुंच मार्गों की सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, मवेशियों पर नियंत्रण और स्वच्छता की जिम्मेदारी स्वास्थ्य शाखा को सौंपी गई है। वहीं निर्माण विभाग के अधिकारी घाटों पर आवश्यक मरम्मत और तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और जरूरत के अनुसार पानी के टैंकर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी व्यवस्थाएं पर्व शुरू होने से पहले पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। अब इन निर्देशों के बाद घाटों पर व्यवस्थाओं का अमल कितना बेहतर होता है, यह पर्व के दौरान दिखाई देगा।

दीपावली पर घरों में रोशनी, जंगलों में वनकर्मियों का पहरा

दक्षिण पन्ना वनमंडल के छह वन परिक्षेत्रों में पांच दिन चला विशेष गश्ती अभियान, अवैध शिकार रोकने दिन-रात की निगरानी



पन्ना/शाहनगर, यशभारत। जब दीपावली पर लोग घरों में त्योहार मना रहे थे, तब दक्षिण पन्ना वनमंडल के वनकर्मी जंगलों में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए मुस्तैद थे। वन एवं वन्यजीवों को अवैध शिकार और वन अपराधों से बचाने के लिए 7 से 11 नवंबर तक पांच दिवसीय विशेष गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सलेहा, शाहनगर, मोहंद्रा, पवई, कल्दा और रैपुरा वन परिक्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में दिन और रात पैदल गश्त की गई। वनकर्मियों के साथ ग्राम वन समितियों और सुरक्षा श्रमिकों ने भी जंगलों, वन मार्गों, जलस्रोतों और वन सीमाओं की निगरानी की। गश्ती के दौरान वन क्षेत्रों से गुजरने वाली विद्युत लाइनों, 11 केवी बिजली लाइनों तथा वन एवं राजस्व भूमि की सीमाओं पर लगी बाड़ और फेंसिंग की जांच की गई। बिजली के तारों और फंदों के जरिए वन्यजीवों के अवैध शिकार की आशंका वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई। वन उपज जांच नाकों और संवेदनशील जलस्रोतों का भी निरीक्षण किया गया। सलेहा के हरदुआ, मुड़िया, घुटेही, सेल्हा और बौलिया, शाहनगर के अतरहाई, ताला, हरदुआ और सुंगरहा सहित विभिन्न क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त की गई। अतरहाई के क्षतिपूर्ति वनीकरण क्षेत्र में वन समिति सदस्यों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाने के बाद वनकर्मियों ने जंगल में पहरा दिया। मोहंद्रा, कल्दा और रैपुरा के संवेदनशील क्षेत्रों में भी संयुक्त गश्त कर निगरानी की गई। अभियान में वन परिक्षेत्र अधिकारियों, वनपालों, वनरक्षकों, ग्राम वन समितियों और सुरक्षा श्रमिकों की सक्रिय भागीदारी रही। दीपावली के दौरान चलाए गए इस अभियान ने वन्यजीव संरक्षण में विभागीय अमले के साथ सामुदायिक सहभागिता की अहमियत भी सामने रखी।

दिवंगतों को कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

अग्निशमन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग



मिशन चौक पर कांग्रेसजनों ने रखा मौन

कटनी, यशभारत। बरही में हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत से व्यथित कांग्रेसजनों ने मिशन चौक पर कैंडल जलाकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने मौन रखकर मृतकों को नमन किया। इस अवसर पर अमित शुक्ला ने कहा कि एक ही परिवार के छह सदस्यों का इस तरह असमय चले जाना बेहद पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने अग्निकांड के दौरान अग्निशमन व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि समय पर पर्याप्त संसाधन और फायर ब्रिगेड की त्वरित उपलब्धता होती तो शायद छह जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। उन्होंने शासन-प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। श्रद्धांजलि सभा में राकेश जैन कक्का, राजा जगवानी, रजनी वर्मा, अरुण मामा कनोजिया, राजेश जाटव, जितेंद्र गुप्ता, अजय जैसवानी, देवीदीन गुप्ता, मोसुफ अहमद बिट्टू, गुलाम जाफर, अजय कोल, संजय गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, श्वेता कटारे, अदिता वर्मा, सलाहुद्दीन खान, अंशु गुप्ता, मो. फरीद, जॉर्ज डेविड, रमेश अहिरवार, अशोक बहलानी, अभय गौतम, जितेंद्र चौबे और शरद पाल सिंह, संजय खरे सहित कांग्रेसजन एवं नागरिक उपस्थित रहे।

हजारों दीपों से जगमगाया बांधा मंदिर

राधाकृष्ण मंदिर में दीपदान महोत्सव, दिवारी नृत्य और बाल गायकों के भजनों ने बांधा समां

कटनी, यशभारत। अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर श्री राधाकृष्ण मंदिर बांधा में भव्य दीपदान महोत्सव आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने हजारों दीप प्रज्ज्वलित कर मंदिर परिसर को रोशनी से जगमगा दिया। गृहस्थ संत डॉ. अनिल देवप्रभाकर शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस दीप महोत्सव में बांधा धाम दीपों की आभा से आलोकित हो उठा।



इस अवसर पर गृहस्थ संत डॉ. अनिल देवप्रभाकर शास्त्री ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराधाकृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जनसमूह को आशीर्वचन प्रदान करते हुए धर्म, भक्ति और सद्भाव के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। संतश्री के सानिध्य से आयोजन में विशेष आध्यात्मिक उल्लास देखने को मिला। महोत्सव में स्थानीय गोप-ग्वालों ने पारंपरिक दिवारी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं बाल गायकों के मनमोहक भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को विधिवत छप्पन भोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर भगवान से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दीपों की जगमगाहट, भक्ति संगीत, पारंपरिक लोकनृत्य और संतों के सानिध्य ने अन्नकूट महोत्सव को यादगार बना दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से बांधा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में होंगे विविध आयोजन

बिरसा मुंडा जयंती पर 15 नवंबर को मनेगा जनजातीय गौरव दिवस



पन्ना, यशभारत। बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेशभर में सामाजिक, सांस्कृतिक और जनजातीय परंपराओं से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पत्रकार वार्ता में आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को प्रदेश स्तरीय मुख्य आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों के इतिहास से परिचित कराना है। सप्ताह के दौरान जिले में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके तहत 2 से 3 किलोमीटर लंबे सांस्कृतिक जुलूस निकाले जाएंगे, जिनका समापन विशाल रैली के रूप में होगा। इसके अलावा जनजातीय नायकों के सम्मान में प्रमुख भवनों, सड़कों, चौराहों, पार्कों और सर्किलों का नामकरण करने की योजना है। प्रमुख पार्कों में जनजातीय नायक-नायिकाओं की प्रतिमाएं स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

नववर्ष में शुरू होगी शहर की नई चौपाटी

फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड के पीछे निर्माणाधीन चौपाटी का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण



52 दुकानों से बढ़ेगी रौनक

कटनी, यशभारत। शहरवासियों को नए साल में खानपान और पारिवारिक मेल-मिलाप के लिए एक नया सार्वजनिक स्थल मिलने की उम्मीद है। फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड के पीछे निर्माणाधीन चौपाटी को नववर्ष तक तैयार करने की कवायद चल रही है। बुधवार सुबह निगमायुक्त तपस्या परिहार ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर शेष कार्य शीघ्र और गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। चौपाटी में कुल 52 दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें 185.61 वर्गफीट की 10, 156.02 वर्गफीट की 22 और 56.70 वर्गफीट की 20 दुकानें शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने दुकानों के आकार, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और काउंटर स्थलों का जायजा लिया।

पार्किंग और बैठक व्यवस्था पर जोर

निगमायुक्त ने चौपाटी परिसर में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग, नागरिकों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, प्रकाश, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि चौपाटी केवल दुकानों तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसा सार्वजनिक स्थल बने जहां परिवार के साथ आने वाले नागरिक सुविधाजनक तरीके से समय बिता सकें। सहायक यंत्री अनिल जायसवाल और उपयंत्री हिमांशु गौतम सहित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। निगमायुक्त ने शेष कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर नववर्ष में चौपाटी की सौगात शहरवासियों को देने के निर्देश दिए। अब देखना होगा कि तय समय तक निर्माण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य कितने पूरे हो पाते हैं।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं,माता-पिता नेवी में कमांडर



बुलढाणा, एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं। ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल (स्स्ढ्ढ) ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।

पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा हैंड सिग्नल दिखाए

ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।

हैंड सिग्नल-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।

डाइविंग उपकरणों की पहचान-पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

सबसे ज्यादा दूरी-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।

समुद्री जीवों की पहचान-स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड। एक दिन में 6 रिकॉर्ड्स एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।

पिता-मां नेवी में कमांडर, दादा भी रह चुके नौसेना अधिकारी

ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है।

ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।

राज्य स्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का शानदार आगाज, जबलपुर की धाकड़ शुरूआत

जबलपुर, यशभारत। 45वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ हुआ।प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मेजबान जबलपुर और अमरिया के बीच खेला गया। इसमें जबलपुर की टीम ने शुरुआत से ही शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमरिया को एक पारी और आठ अंकों से पराजित कर विजयी आगाज किया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत से जबलपुर के खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।



प्रतियोगिता के पहले दिन बालक वर्ग में बैतूल की टीम ने पन्ना को एक पारी और 20 अंकों से करारी शिकस्त दी। शहडोल ने हरदा को पांच अंकों से तथा मंडला ने भोपाल को सात अंकों से पराजित किया। वहीं विदिशा और रतलाम के बीच खेला गया मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। बालिका वर्ग में नरसिंहपुर ने हरदा को एक पारी और नौ अंकों से हराया। मंडला ने शहडोल को एक पारी और 14 अंकों से तथा विदिशा ने पन्ना को एक पारी और चार अंकों से पराजित किया।

अलावा बैतूल ने बुरहानपुर को पांच अंकों से, सीहोर ने बालाघाट को तीन अंकों से और खंडवा ने अनूपपुर को एक पारी और 18 अंकों से हराकर अगले मुकाबलों के लिए अपनी स्थिति मजबूत की। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में पाटन विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज यादव, रामकुमार यादव एवं नरेश मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश खो-खो संघ के संरक्षक पं. योगेश दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, नैसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन एवं शुभम काछी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए चन्द्रशेखर स्वामी, सुनील परमार, जीतू तिवारी, विवेक यादव, अरुणा काछी, दीपक कुमार, आकाश खत्री, गोल्डी गुप्ता एवं मोनिका मेहता ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुकेश सिंह, बृजेश मिश्रा एवं मोहन यादव सहित खेल जगत से जुड़े अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंची बालक एवं बालिका टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पहले दिन के परिणामों ने प्रतियोगिता को रोचक बना दिया है।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर ने कराया IPL ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन

मुंबई, यशभारत। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने IPL-2027 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है।मुस्तफिजुर को पिछले सीजन शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे IPL के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के बीच उनके IPL में खेलने को लेकर विरोध शुरु हो गया था। इसके बाद BCCI के निर्देश पर चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया। विवाद तब और बढ़ा जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने से मना कर दिया। टीम ने कहा कि उसके सभी मैच श्रीलंका में कराए जाए, लेकिन ICC ने इस अपील को रिजेक्ट कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड टूर्नामेंट खेली थी।

सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता

स्पार्टन एफसी -स्टेमफील्ड एफसी की शानदार जीत

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड में खेली जा रही सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले खेले गए। जूनियर डिवीजन में स्पार्टन एफसी ने फाउंडेशन एफसी को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित किया, वहीं सीनियर डिवीजन में स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को बरकरार रखा।



जूनियर डिवीजन के मुकाबले में स्पार्टन एफसी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैदान पर उतरते ही फाउंडेशन एफसी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा रहा कि मैच के 10वें मिनट में स्पार्टन ने पहला गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद टीम ने अपने हमलों की रफ्तार और तेज कर दी। 14वें मिनट में दूसरा और 18वें मिनट में तीसरा गोल कर स्पार्टन ने मुकाबले पर पूरी तरह पकड़ बना ली। फाउंडेशन एफसी ने गोल अंतर कम करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन स्पार्टन के मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। मध्यांतर तक स्पार्टन एफसी 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी स्पार्टन का आक्रामक खेल जारी रहा। टीम ने 56वें मिनट में चौथा, 67वें मिनट में पांचवां और 78वें मिनट में छठा गोल दागकर फाउंडेशन एफसी की वापसी की सभी उम्मीदों पर विराम लगा दिया। निर्धारित समय की समाप्ति पर स्पार्टन एफसी ने 6-0 से शानदार जीत दर्ज की।

वहीं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में स्टेम फील्ड एफसी और जीनियस एफसी के बीच भिड़ंत हुई। मैच के शुरुआती मिनटों में दोनों टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास किए, लेकिन आपसी तालमेल और कमजोर फिनिशिंग के कारण शुरुआत में सफलता नहीं मिल सकी। हालांकि पांचवें मिनट में स्टेम फील्ड ने पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद टीम ने 15वें मिनट में दूसरा और 20वें मिनट में तीसरा गोल दागकर जीनियस एफसी को दबाव में ला दिया। मध्यांतर तक स्टेम फील्ड 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद जीनियस एफसी ने वापसी के लिए हमले तेज किए, लेकिन खिलाड़ियों के निशाने चूकने के कारण टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरी ओर स्टीम फील्ड ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए 60वें मिनट में चौथा, 65वें मिनट में पांचवां और 80वें मिनट में छठा गोल किया। इस तरह स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दोनों मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका मो. अफजल, कुलदीप, हरी रजक, अतुल तिवारी, उत्तम कुमार, रिचर्ड एवं चंद्रा मलिक ने निभाई।

कुश्ती टीम के लिए चयन ट्रायल कल

जबलपुर , यशभारत। राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता आयोजन ग्वालियर में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जबलपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला पुरुष टीम के गठन के लिए 13 नबंबर को चयन स्पर्धा आयोजित जाएगी।



यह ट्रायल रानीताल परिसर स्थित जनभागीदारी प्रशिक्षण केंद्र में दोपहर 3 से शुरू होगा। पुरुष फ्रीस्टाइल में 57 से 125 किलोग्राम तक की 10, ग्रीको रोमन में 55 से 130 किलोग्राम तक की 10 और महिला फ्रीस्टाइल में 50 से 76 किलोग्राम तक की 10 वजन श्रेणियों में मुकाबले होंगे। ग्वालियर में 28 और 29 नवंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी ही दिसंबर में उज्जैन में होने वाली राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर की टीम घोषित, अथर्व शर्मा को मिली कमान



जबलपुर, यशभारत। संभागीय क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर जिला टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम की कमान अथर्व शर्मा को सौंपी गई है, जबकि आर्यन पटेल उपकप्तान होंगे। टीम में श्लोक दुबे, ओझा सहारा, शोर पारेता, सक्षम वर्मा, अनंत कुशवाहा, श्रेयांश पांडे, कौशिक सिंह, असलन अली, उमंग शर्मा, आरव राजपूत, विनायक पांडे, अंश शर्मा, रुद्राक्ष मिश्रा और वंश जैन को शामिल किया गया है। वह अतिरिक्त खिलाडियों के रूप रुद्रा विश्वकर्मा, यश रजक, विन यादव और लक्ष्य नामदेव को गया है।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान





मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।





बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।



अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

किसना ज्वेलर्स में सनसनीखेज चोरी

पिछले हिस्से की दीवार में सेंध लगाकर घुसे चोर, डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी लेकर रफू-चक्कर



दीवाली की वजह से शो रूम में था करोड़ों का स्टाक

कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एलआईसी के पास बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने ज्वेलर्स के पिछले हिस्से में दीवार पर सेंध लगाकर इस वारदात को अंजाम दिया और ज्वेलरी लेकर रफू चक्कर हो गए। जानकारी के मुताबिक चोरों ने शो रूम के अंदर घुसकर गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी पर हाथ साफ किया। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि किसना ज्वेलर्स में कितने की चोरी हुई है। आज सुबह जब ज्वेलर्स के कर्मचारी दुकान खोलने पहुंचे, तब शो रूम के अंदर का दृश्य देखकर हतप्रभ रह गए। उन्होंने तत्काल ज्वेलर्स संचालक मोहन बजाज को घटना की सूचना दी। उन्होंने इसकी सूचना माधवनगर पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तफ्तीश शुरू की। किसना ज्वेलर्स में वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य के साथ अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने ज्वेलरी शॉप के अंदर से लेकर पिछले हिस्से का मुआयना किया और जांच पड़ताल की। पुलिस सीसीटीव्ही फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि चोरों का पता लगाया जा सके। अभी तक यह पता नहीं चल पाया





है कि चोर ज्वेलरी शॉप से कितने का जेवरात ले गए। फिर भी एक आंकलन के अनुसार दुकान से करीब 10 करोड़ से ज्यादा की ज्वेलरी चोरी जाने का अनुमान है। वारदात का खुलासा करने के लिए डॉग स्कवाड और फिंगर प्रिंट एक्पर्ट को भी बुलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोरों ने किसना ज्वेलर्स के पिछले हिस्से में दीवार पर सेंध लगाकर



अंदर प्रवेश किया और ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। पुलिस जब यहां पहुंची तो यहां से पाना, पिंचिस और पेंचकस मिले। पुलिस ने इन्हें जब्त किया। अभी इस मामले को लेकर किसी भी पुलिस अधिकारी से बात नहीं हो सकी है।

अग्निकांड के बाद फूटा जनाक्रोश, बंद रहा बरही

व्यापारियों ने नहीं खोले दुकानों के ताले

दोषी अफसरों की जवाबदेही, एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग

बरही/कटनी, यशभारत। दीपावली की रात बरही नगर में हुए हृदयविदारक अग्निकांड में अग्रवाल परिवार के आधा दर्जन सदस्यों की जिंदा जलकर मौत के मामले ने अब जनाक्रोश का रूप ले लिया है। घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी घटना के लिए दोषी जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कोई ठोस वैधानिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज नगरवासियों और व्यापारियों ने आज गुरुवार को बरही बंद का आव्हान किया। बंद के समर्थन में व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठानों के ताले नहीं खोले। होटल से लेकर मेडिकल स्टोर्स तक बंद रहे और पूरा बरही नगर बंद नजर आया। नगरवासियों एवं व्यापारियों में सरकारी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर गहरी नाराजगी देखी गई। इस दौरान पूरा बरही नगर स्वस्फूर्त बंद रहा। लोगों ने कहा कि घटना के 5 दिन बाद भी प्रशासन जांच के नाम पर पूरे मामले में लीपापोती कर रहा है। जिन अफसरों के विरूद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें ही जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बरही बंद के दौरान 11 बजे नगर के लोग कमानिया गेट में एकत्रित हुए और जिम्मेदार लापरवाह प्रशासनिक अधिकारियों पर जबाबदेही तय करने की पुरजोर मांग कर रहे है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि अग्निकांड के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। उनके विरुद्ध आपराधिक





प्रकरण दर्ज कर सेवा से बर्खास्त करने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासनिक अमला सक्रिय होता और राहत बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए जाते तो छह अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि दीपावली की रात बरही नगर के पूरन अग्रवाल के तीन मंजिला दुकान एवं आवासीय भवन में भीषण आग भड़क उठी थी। इस दर्दनाक हादसे में 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला अग्रवाल, बहू सोनम अग्रवाल, दो माह का मासूम अर्विश, 12 वर्षीय आर्या और 6 वर्षीय अन्वी की मौत हो गई थी।

होटल और मेडिकल स्टोर्स भी रहे बंद

गुरुवार सुबह से ही नगर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर नहीं खोले। होटल संचालकों और मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बंद का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों के बंद रहने से भी नगर में बंद का असर साफ दिखाई दिया। छह लोगों की असमय मौत से आहत नगरवासी अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट होने को तैयार नहीं हैं। उनकी मांग है कि इस हृदयविदारक हादसे की निष्पक्ष जांच हो। लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को चिह्नित किया जाए और उनके विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए ठोस कार्रवाई की जाए।

9 घंटे तक जिम्मेदारों की गैर मौजूदगी पर उठे सवाल

हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य के दौरान करीब नौ घंटे तक स्थानीय एवं जिला स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मौके पर बरही थाना के दो कर्मचारी, नगर परिषद के दमकल प्रभारी तीरथ चतुर्वेदी और नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल के अलावा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी नहीं रही। इसी कथित प्रशासनिक उदासीनता को लेकर अब लोगों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दे रहा है।

टाल में लगी आग, घंटों बाद पाया काबू

आग बुझाने में मशक्कत करना पड़ा दमकल अमले को

कटनी, यशभारत। उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर स्थित आहूजा टाल में आज गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। टाल से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं को देखकर आसपास के रहवासियों में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आग लगने की खबर विधायक संदीप जायसवाल को मिली। उन्होंने तत्काल इसकी खबर नगर निगम के राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक को दी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और चार दमकल वाहनों को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। आग बुझाने में दमकल विभाग को काफी मशक्कत करना पड़ा। सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल वाहनों द्वारा लगभग 20 फेरे लगाकर पानी की आपूर्ति की गई। फायर अमले द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार पानी की बौछार कर आग



पर नियंत्रण पाने के प्रयास किए गए, तब कहीं जाकर आग बुझ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आहूजा टाल में आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर तैनात की गईं। दमकल कर्मियों द्वारा लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोकने और उस पर काबू पाने के प्रयास किए गए। दमकल कर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ आग बुझाने में जुटे रहे। बताया जाता है कि आग की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम के चारों जोन के दमकल वाहनों को मौके पर तैनात कर अग्निशमन कार्य किया गया।

मौके पर पहुंचे अधिकारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। घटनास्थल पर उपायुक्त शैलेश गुप्ता, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक एवं सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर अग्निशमन कार्य की निगरानी की। नगर निगम का अग्निशमन अमला आग पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए प्रयास करता रहा।

निगमायुक्त तपस्या परिहार ने की मॉनीटरिंग

घटना की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार स्वयं पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की लगातार मॉनिटरिंग करती रहीं और पल-पल की स्थिति का अपडेट लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निगमायुक्त के निर्देशन में निगम के चारों जोन के दमकल वाहनों को मोर्चे पर लगाया गया।

आग लगने के कारणों का पता नहीं

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं इस अग्निकांड में कितनी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, इसकी भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का वास्तविक आकलन हो सकेगा। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। फिलहाल दमकल विभाग की टीमें आग पर काबू पाने के लिए लगातार जुटी हुई हैं।













स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक–आशीष सोनी*, सम्पादक अम्बरीष तिवारी सलाहकार संपादक श्याम कटारे। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/2025–27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)